# अय्याश मां की बदमाश बेटी की पहली चुदाई

“टीन वर्जिनिटी लॉस्ट स्टोरी में अपनी अम्मी का रण्डीपना देख मैं भी अपनी चूत का उद्घाटन करवाने की जल्दी में थी. मैं मोटा मुर्गा तलाश रही थी. मैंने अपनी सहेली के यार को पटाया. …”

**Story By:** Maqbool Khan (Maqbool)
**Posted:** Friday, January 24th, 2025
**Categories:** जवान लड़की
**Online version:** अय्याश मां की बदमाश बेटी की पहली चुदाई


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# अय्याश मां की बदमाश बेटी की पहली चुदाई

टीन वर्जिनिटी लॉस्ट स्टोरी में अपनी अम्मी का रण्डीपना देख मैं भी अपनी चूत का उद्घाटन करवाने की जल्दी में थी. मैं मोटा मुर्गा तलाश रही थी. मैंने अपनी सहेली के यार को पटाया.

आदाब दोस्तो,
मेरी एक कहानी
मेरी चुदक्कड़ अम्मी की बेख़ौफ़ अय्याशी
में मेरी माँ अलीशा के बारे में तो आपने पढ़ ही लिया होगा.

यह कहानी मेरी है जो आज मैं पहली बार लिख रही हूँ।
तो पहले मैं आपको मेरे बारे में बता दूं.

मेरा नाम ज़ेबा अत्तार है और मैं जयपुर की रहने वाली हूँ.
मेरी उम्र 19 साल है और मैं अभी कॉलेज में बायोलॉजी की स्टूडेंट हूँ.

मेरे घर में सिर्फ 2 सदस्य हैं मैं और मेरी चुदक्कड़ माँ!
मेरा क़द 5′ 5″ है.
मेरे चुचे 34 इंच के, कमर 28 इंच और गांड भी 34″ की है।

मेरा रंग गेहुँआ है और मैं हमेशा नाक में नथ पहनती हूँ।
अब आप मेरे बारे में जान ही गए होंगे.

तो टीन वर्जिनिटी लॉस्ट स्टोरी शुरू करते हैं।

बात उन दिनों की है जब मैंने होश संभाल लिया था. लड़का लड़की के बीच एक रिश्ता चुदाई का भी होता है, ये मैं अच्छे से जान गई थी।
इसी पर मेरी माँ की बदचलनी सोने पे सुहागे का काम कर रही थी.
उन्हीं के चुदैल रंडीपने को देखते हुए मैंने 19वें साल में कदम रख लिया था और हज़ारों बार माँ को नये नये भड़वों के नीचे चुदवाते देख चुकी थी।

उनकी रासलीला देखकर अब मेरे भी चुचे अकड़ने लगे थे और मेरी हल्की झांटों वाली चूत भी ऐंठने लगी थी।
मैं भी माँ की तरह एक परिपक्व चुदक्कड़ रंडी बनना चाहती थी और उंगली करके चूत को शांत करती थी।

ऐसे ही दिन गुज़र रहे थे.

एक दिन मैं और मेरी सहेली जिसका नाम रेशमा है, हम दोनों कॉलेज के कैंटीन में बैठी हुई थी.
तब वह बोली- अरे यार, मेरी सगाई की बात मेरे यार रियाज को पता चल गई है और वो अब मुझ से रिश्ता तोड़ने की बोल रहा है. कह रहा है अगर रिश्ता रखना है तो मुझे सगाई तोड़ना पड़ेगी।
तब मैंने कहा- तू फिक्र मत कर … मैं रियाज़ से बात करूंगी तू मुझ से एक बार रियाज़ को मिला दे।
उसने कहा- मैं कल उसको कॉलेज बुला लेती हूं।

दूसरे दिन रेशमा की तबियत खराब हो गई और वो कॉलेज नहीं आयी.
उसने मुझे फ़ोन करके बताया- रियाज़ कार में आएगा जिसके नम्बर मैं तुझे मैसेज कर रही

हूं।

एक घंटे बाद उसी नम्बर की महंगी कार आयी जिससे रियाज़ उतरा और इधर उधर देखने लगा.
वह मुझे पहचानता नहीं था तो मैं उसको दूर से देखने लगी।

उसको देखते ही मेरी नियत फिसल गई और मैंने सोचा रेशमा को तो शादी के बाद लंड मिल जाएगा. क्यों न अपनी चूत के लिए ये अमीर लंड पटा लूं।

फिर मैं रियाज़ के पास गई और बोली- हेलो रियाज़, मैं रेशमा की दोस्त ज़ेबा हूँ और मैंने ही आपको बुलाया है।
उसने कहा- जी हां बोलिये क्या कहना चाहती हैं आप ?

मैंने कहा- आप रेशमा से रिश्ता क्यों तोड़ना चाहते हैं ?
तब रियाज़ ने कहा- रेशमा दोनों हाथों में लडडू लेना चाहती है. या तो सगाई तोड़ दे या मुझ से रिश्ता।

इसी बात पर मैंने आग में घी डाल दिया और कहा- हां रियाज़, आप ठीक कह रहे हो. वह आपको धोके में रखना चाहती है और आपको बेवकूफ़ बना रही है।

तब रियाज़ मुझ से थोड़ा खुलकर बात करने लगा.
और मैंने रही सही कसर भी पूरी कर दी उन दोनों के बीच और ज्यादा दरार पैदा कर दी.

अब तो रियाज़ ने ठान लिया था कि वह रेशमा को छोड़ देगा।

तब मैंने रियाज़ का मोबाइल नम्बर लिया और कहा कि वो जब चाहे मुझे फ़ोन कर सकता है।

दो दिन बाद पता चला रियाज़ और रेशमा अलग हो गए हैं।

तभी मैंने रियाज़ को व्हाट्स एप्प पर हेलो लिखकर भेजा.

2 घण्टे बाद उसका जवाब आया और हम बातें करने लगे.
और मैं बातों ही बातों में उसके ज़ख्मों को सहलाने लगी।

जब वह पूरी तरह से भावुक हो गया, तब मैंने कहा- पुरानी बातों को भूल जाओ रियाज़. आगे की सोचो. तुम बहुत अच्छे लड़के हो. सिर्फ तुम किसी से प्यार नहीं कर सकते बल्कि तुमसे भी कोई प्यार कर सकता है।
रियाज़ ने कहा- मैं समझा नहीं ?

तब मैंने रियाज़ से कहा- मैं तुमको चाहती हूं … आई लव यू !
वह हक्का बक्का रह गया और उसने दूसरे दिन मुझ से मिलने को कहा।

बस फिर क्या था … दूसरे दिन मैंने अपनी चूत के बाल साफ किये और सबसे तंग ब्रा पहनी, गहरे गले का कमीज पहना और चल दी रियाज़ से मिलने !

उस कमीज़ का गला इतना गहरा था कि मेरे आधे से ज़्यादा चुचे दिखाई दे रहे थे।

कॉफ़ी शॉप में जब रियाज़ ने मुझे देखा तो देखता ही रह गया।
फिर हमारी बातें शुरू हुई और सिर्फ आधा घण्टे में मैंने रियाज़ को अपने काबू में कर लिया.

अब तो अगर मैं उसको मेरा मूत पीने को कहती तो भी वो पी लेता।

फिर रियाज़ ने कहा- मुझे काम से जाना है, मैं तुम्हें घर तक छोड़ देता हूँ।

कार में बैठते ही मैंने रियाज़ को ‘आई लव यू’ कहते हुए उसके गाल पे किस कर लिया।

फिर रियाज़ ने मुझे कुछ सेकंड देखा, फिर मुझे अपने ऊपर खींचा और मेरे होंठों को अपने होंठों में दबोच लिया।
मैंने भी उसका पूरा साथ दिया और दस मिनट का एक लंबा चुम्बन किया।

फिर उसने मुझसे कहा- आज मुझे ज़रूरी काम है. कल तुम अपने घर के नुक्कड़ तक आ जाना. हम दोनों मेरे नए घर पे घूमने चलेंगे।
उसके बाद उसने मुझे घर के पास छोड़ दिया।

अब रात को मैं बस यही सोच रही थी कि कल से मेरी चूत को भी चुदने के लिए एक लंड मिल जाएगा।
और यही सोचते सोचते मैं सो गई।

दूसरे दिन सुबह मैं अच्छे से तैयार हुई और 11 बजे रियाज़ का कॉल आया- मैं नुक्कड़ पर खड़ा हूँ, तुम जल्दी से आ जाओ।

मैं जल्दी से नुक्कड़ पर पहुची और झट से उसकी कार में बैठ गई।

कार में बैठते ही रियाज़ ने मुझे अपनी पास बैठने को कहा.
तो मैंने एक पैर कार के गियर की दूसरी तरफ डाला और रियाज़ से चिपक कर बैठ गई।

तभी रियाज़ ने मेरे होंठों पर एक जोरदार किस जड़ दिया।
और हम रवाना हो गए।

अब रास्ते में हम बाते करते हुए जा रहे थे तो रियाज़ को बार बार गियर बदलना पड़ रहा था.
अब चूंकि गियर मेरी दोनों जांघों के बीच में था तो रियाज़ गियर बदलने के बहाने कभी मेरी जांघ को सहला देता और कभी मेरी चूत को!

उसके इस सहलाने से मैं सिहर उठती।

अब मैं भी एक चुदककड रंडी की औलाद थी … मैंने अपनी पूरी जांघें खोल दी ताकि रियाज़ को मेरी चूत और जांघें सहलाने का पूरा मौक़ा मिले।

ऐसे ही हम उसके घर पहुचे जहाँ पर कोई भी नहीं रहता था, वहाँ ताला लगा हुआ था।

हम घर खोल कर अंदर गए.
उसने मुझे अपना पूरा घर दिखाया जो काफी बड़ा था।

फिर हम उस घर के सबसे बड़े बैडरूम में आकर बैठ गए.

रियाज़ फ्रीज़ में से दो बियर की बोतलें लाया और एक बोतल उसने मुझे दी और सोफे पे बैठ गया।
उस वक़्त मैं बेड पर बैठी थी।

तब रियाज़ ने कहा- इतनी दूर क्यों बैठी हो, मेरे पास आओ।

मैं भी बेशर्म कुतिया की तरह उठी और उसकी गोद में बैठ गई।

उसने मेरा दुपट्टा खींच कर फेंक दिया और बियर पीते पीते बातें करता रहा और मुझे सहलाता रहा।
मैं भी ठंडी बियर पीते पीते अपने जिस्म पर एक मर्द के हाथों को महसूस करके मज़े ले रही थी।

कुछ ही देर में हमारी बाते कम होती गई और रियाज़ के हाथ मेरे कमीज़ के अंदर घुस गए और मेरे चुचे मसलने लगे।
कुछ देर मेरे चुचे मसलने के बाद उसने मेरे कमीज को उतार फेंका और मेरी ब्रा के हुक खोल

दिये।

हुक खोलते ही उसने मेरी ब्रा एक झटके में खींच कर ज़मीन पर फेंक दी।

जैसे ही रियाज़ ने ब्रा खींची, मेरे दोनों मख़मली कबूतर फड़फड़ा के बाहर आ गए।

मेरे दूधिया चुचे देखते ही वह उन पर टूट पड़ा और बेतहाशा उन्हें चूसने लगा।

अभी बियर की बोतल आधी ही खाली हुई थी और मैं अधनंगी हो चुकी थी।

जब रियाज़ मेरे चुचे चूस रहा था तब मैंने जानबूझकर अपने चुचों पर बियर गिराई जिससे वो और मस्ती में आ गया और मेरे रसीले चुचे चाटने लगा.

फिर रियाज़ ने मेरे दोनों चुचों को अपने हाथों से आपस में मिलाकर दबा दिया जिससे मेरे चुचों की दरार में एक नाली जैसी दरार बन गई.

तब रियाज़ ने कहा- बियर को तुम चुचों की दरार में डालो!
जब मैंने बियर डाली तो मेरे चुचों की दरार में बियर भरने लगी जिसे रियाज़ किसी कुत्ते की तरह पीने लगा।

इसी तरह चुचों के नशीले जाम पिलाते पिलाते काफी बियर मेरे पेट पे से रिसती हुई मेरी चूत तक पहुँच गई थी।

जब बियर खत्म हो गई तो रियाज़ ने मेरे चूतड़ों पर 2 करारे थप्पड़ रसीद कर दिए.
मेरी गांड को पकड़ कर मुझे उठाते हुए वह खड़ा हो गया और मुझे लेजाकर बेड पर पटक दिया।

फिर रियाज़ ने अपने सारे कपड़े खोल दिये जिससे मैंने पहली बार रियाज़ का लौड़ा देखा।

क्या बताऊँ दोस्तो … क्या लौड़ा था उस मादरचौद का … हवा में लहराता जैसे कोई मोटा काला नाग हो।

उसके लौड़े को देखकर मेरी चूत में से पानी रिस गया।

फिर वह मेरे ऊपर लेट गया, मेरे होंठों को चूसने लगा और मेरे दोनों चुचों को पूरी ताक़त से मसलने लगा.

कुछ देर बाद वो मेरे जिस्म को चूमता और चाटता हुआ वो मेरी सलवार के नाड़े तक पहुँचा और उसने अपने मुंह से मेरी सलवार के नाड़े की गांठ खोली।

जैसे ही सलवार की गांठ खुली, रियाज़ ने मेरी सलवार के साथ ही मेरी पेंटी भी मेरी जांघों से खींच ली और कहीं हवा में उड़ा दी।

अब मैं और रियाज़ उस कमरे में पूरी तरह मादरजात नंगे थे।

सलवार उतरने के बाद जब रियाज़ ने मेरी गुलाबी चूत के दर्शन किये तो वह मेरी चूत पर टूट पड़ा और चूसने लगा।

चूत चुसाई से मेरे चुचे ऐंठने लगे और मुझे मज़ा आने लगा।

जब रियाज़ ने जी भर के मेरी चूत चाट ली तब वो उठा और मेरे सीने के इर्द गिर्द पैर डाल कर मेरे चुचों पर बैठ गया।
जब वो मेरे चुचों पर बैठा था तब उसका लौड़ा मेरे होंठों तक पहुँच रहा था।

उसने कहा- चलो मेरी जान इस काले नाग को चूसकर कड़क और चिकना कर दो ताकि ये तुम्हारी चूत को डस सके।
तब मैंने उसका लंड अपनी मुट्ठी में जड़ से पकड़ लिया लेकिन उसका लौड़ा काफी मोटा

था मुश्किल से ही मुट्ठी में समा रहा था।

जैसे तैसे मैंने लौड़ा पकड़ा और मुंह में लेकर चूसने लगी.
लौड़ा चूसते हुए मुझे लौड़े से पेशाब की मादक खुशबू आई जो चुसाई को और रंगीन कर रही थी।
मैं पूरी शिद्दत के साथ चुसाई कर रही थी और रियाज़ भी मेरे मुंह को हल्के झटकों से चौद रहा था।

दस मिनट की चुसाई के बाद रियाज़ ने मेरे मुंह से लौड़ा खींच लिया.

तब मैंने देखा उसका लौड़ा पूरी तरह से राकेट की तरह खड़ा हो चुका था।
उसी पल रियाज़ ने एक तकिया मेरी गांड के नीचे रखा और मेरे पैर उठाये और पीछे को मोड़ दिए।

दिन की दोपहरी थी और पूरी तरह उजाला था उस उजाले में मेरी गुलाबी चूत किसी खिले हुए गुलाब की तरह रियाज़ के सामने परोसी हुई थी।

फिर रियाज़ ने लौड़े के सुपारे से मेरी चूत के क्लिट को मसलना शुरू किया.

तब मैं बोल पड़ी- रियाज़ मेरी जान, मैं पहली बार सुहागरात मना रही हूं. प्लीज धीरे से करना।
रियाज़ ने कहा- हाँ मेरी जान, तुम्हारी चूत का पूरा ख़्याल रखूंगा।
ये कहते हुए रियाज़ ने मेरी चूत पे लौड़ा सेट किया और पूरी ताक़त से झटका लगाया।

वैसे तो मैंने चूत में उंगली, पेंसिल, बैंगन डाले हुए थे मगर फिर भी रियाज़ का लौड़ा काफी मोटा था खासकर के उसका सुपारा।

इस हमले से रियाज़ का आधे से ज्यादा लौड़ा मेरी चूत में समा गया।
हमला काफी ज़ोरदार था फिर भी मैंने लौड़े के सुपारे को चूत में घुसते हुए पूरी तरह महसूस किया।
इस हमले से मेरे मुंह से एक कराहती हुई 'आह' निकल गई और दर्द के मारे मैंने अपनी गांड को उछाल दिया।

लेकिन रियाज़ की पकड़ मजबूत थी तो उसने जांघो को छोड़ा नहीं और मेरे संभलने से पहले ही दूसरा झटका पेल दिया।

फिर मेरे मुंह से आह निकली तब तक तो रियाज़ का पूरा लंड मेरी चूत में समा चुका था।
टीन वर्जिनिटी लॉस्ट हो चुकी थी.

कुछ देर रियाज़ ने झटके नहीं लगाए और मुझे सहलाता रहा।
जब मैं संभल गई तब उसने झटके लगाना शुरू किए।

15 मिनट तक हल्के झटकों से मेरी चूत अच्छे से चिकने पानी से सराबोर हो चुकी थी और अब रियाज़ का लौड़ा आसानी से मेरी चूत में अंदर बाहर फिसल रहा था।

इन्ही हल्के झटकों से मेरी चूत का दर्द कब मज़े में बदल गया पता ही नहीं चला।
अब मैं लंड के मज़े लेने लगी।

रियाज़ एक अनुभवी चुदाई करने वाला था तो वह समझ गया कि अब मुझे मज़ा आने लगा है।
तब उसने झटके गेहरे और तेज़ कर दिए।

अब उसका लौड़ा पूरी तरह मेरी चूत में पूरा अंदर बाहर गपागप फिसल रहा था और मैं आसमान में उड़ रही थी।

दस मिनट बाद वो रुका और नीचे लेटते हुए मुझे अपने लौड़े पर बैठा लिया।
मैं समझ गई कि अब मुझे लौड़े की सवारी करनी है क्योंकि माँ को लंड की सवारी करते देख ही बड़ी हुई थी।

अब मैं खुद लन्ड की सवारी कर रही थी और रियाज़ नीचे से झटके लगाते हुए मेरा साथ दे रहा था।

कुछ देर बाद मैं झड़ने वाली थी.
तब उसी टाइम रियाज़ ने मेरे चुचे मसलने शुरू कर दिए जिसने आग पर घी का काम किया।
उस वक़्त मैं पूरी शिद्दत से झड़ी और थक कर बैठ गई।

फिर रियाज़ ने मुझे नीचे उतारा और मुझे कुतिया बना दिया।
वह मेरे चूतड़ों के पीछे पीछे आया और मेरी चूत में लंड घुसेड़कर मुझ पर सवार हो गया।

जब वह मुझे कुतिया बना कर किसी वेश्या की तरह चौद रहा था, तब उसके झटके काफी तगड़े थे.
रियाज़ का लंड मेरी बच्चेदानी तक पहुंच रहा था.

15 से 20 मिनट उसने मुझे लगातार चौदा और फिर मेरी चूत में ही अपनी गर्म मलाई की पिचकारी मार दी.
उसी टाइम मैं भी एक बार और झड़ गई।

फिर हम दोनों ऐसे ही नंगे कुछ देर एक दूसरे से चिपके पड़े रहे।

तब तक दिन के दो बज चुके थे तो रियाज़ ने खाना आर्डर करके मंगवाया और हमने पूरे नंगे ही बैठकर खाना खाया.

खाने के बाद हमने दो बार और चुदाई रासलीला मनाई।

रियाज़ तो मुझे और चोदना चाहता था और मेरी गांड का छेद भी मारना चाहता था.
मगर मैंने मना कर दिया क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि वह मुझे चुदक्कड़ रंडी समझे.

और वैसे भी मैं काफी चुद चुकी थी.

फिर हम दोनों नहाये और रियाज़ ने मुझ से फिर से मिलने का वादा लिया और घर के पास तक छोड़ दिया।

अगली कहानियों में मैं आपको बताऊँगी कि मैंने रियाज़ को अपनी गांड का तोहफा कब और कैसे दिया.
और कैसे मैं उसको अपने घर तक ले गई और कैसे मेरी माँ ने रियाज़ का भी लंड चूसा!
इस कहानी में बस इतना ही।
वासना की नंगी कहानियां आगे भी आती रहेंगी।

टीन वर्जिनिटी लॉस्ट स्टोरी पर अपने विचार मेरी चूत में अवश्य भेजें.
आपकी और सिर्फ आपकी लंड की प्यासी
ज़ेबा अत्तार
kmaqbool5@gmail.com

# Other stories you may be interested in

## जिस्म की खूबसूरती ने रण्डी बना दिया- 5

देसी कॉल गर्ल Xxxx कहानी में एक सुंदर लड़की शादी के बाद पति की गैर जिम्मेदाराना हरकतों के कारण नौकरी और फिर कॉल गर्ल का धन्धा करने पर मजबूर हो गयी. कहानी के चौथे भाग डॉक्टर ने जांच के बहाने […]
Full Story >>>

## पति ने अपनी पत्नी को अनजान लड़के से चुदवाया

जवान भाभी Xxx कहानी में मैंने एक शादीशुदा जोड़े के साथ सेक्स किया. उसमें पति ने खुद मुझसे सम्पर्क किया और अपनी बीवी की चुदाई करने को कहा. नमस्कार दोस्तो. मैं मोहित भुजिया और रसगुल्ले के शहर बीकानेर से एक […]
Full Story >>>

## जिस्म की खूबसूरती ने रण्डी बना दिया- 4

X डॉक्टर पोर्न कहानी में शौहर की गैरमौजूदगी में नवविवाहिता पहले शौहर के एक दोस्त से चुदी. फिर शौहर ने ही अपनी बीवी को अपने दोस्त डॉक्टर के पास भेज दिया. कहानी के तीसरे भाग सुन्दर लड़की शौहर के दोस्त […]
Full Story >>>

## प्यासी मॉम की चुदाई का मजा- 3

MILF सेक्स स्टोरी में मेरी स्टेप मॉम सेक्स के लिए तड़पती थी तो मैंने उनको सेक्स के लिए तैयार किया. वे मुझे किसी रंडी की चुदी. मैंने उनकी गांड भी मारी. साथियो, मैं अमित आपको अपनी सेक्स कहानी के दूसरे […]
Full Story >>>

## जिस्म की खूबसूरती ने रण्डी बना दिया- 3

हॉट Xnx पोर्न कहानी में सेक्सी हसीन बीवी को छोड़ कर शौहर दुबई चला गया. पीछे बीवी पर नजर थी शौहर के दोस्त की. उसने दोस्त की बीवी को पटाने की कोशिश की तो वह फिसल गयी. कहानी के दूसरे […]
Full Story >>>